



* मुहावरा वह वाक्यांश जो सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ में प्रयुक्त होता है; मुहावरे में उसके लाक्षणिक और व्यंजनात्मक अर्थ को ही स्वीकार किया जाता है। वाक्य में प्रयुक्त किए जाने पर ही मुहावरा सार्थक प्रतीत होता है।

- | | |
|-----------------------------|---|
| * अपना उल्लू सीधा करना | - अपना स्वार्थ सिद्ध करना। |
| * दिन दूना रात चौगुना बढ़ना | - दिन-प्रतिदिन अधिक उन्नति करना। |
| * अक्ल पर पत्थर पड़ना | - बुद्धि काम न करना। |
| * आँखों में धूल झोंकना | - धोखा देना। |
| * आँखें बिछाना | - अति उत्साह से स्वागत करना। |
| * कान में कौड़ी डालना | - गुलाम बनाना। |
| * कंगाली में आटा गीला होना | - विपत्ति में और अधिक विपत्ति आना। |
| * कुएँ में बाँस डालना | - जगह-जगह खोज करना। |
| * गुड़ गोबर करना | - बने काम को बिगाड़ देना। |
| * गड़े मुर्दे उखाड़ना | - पुरानी कटु बातों को याद करना। |
| * कटे पर नमक छिड़कना | - दुखी को और दुखी बनाना। |
| * एक और एक ग्यारह | - एकता में शक्ति होना |
| * घर फूँक तमाशा देखना | - अपनी ही हानि करके प्रसन्न होना। |
| * घाट-घाट का पानी पिया होना | - हर प्रकार के अनुभव से परिपूर्ण होना। |
| * चाँदी काटना | - बहुत लाभ कमाना। |
| * जहर का घूँट पीना | - अपमान को चुपचाप सह लेना। |
| * जी-जान से काम करना | - पूरी क्षमता के साथ काम करना। |
| * तिल का ताड़ बनाना | - छोटी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना। |
| * पत्थर की लकीर होना | - पक्की बात। |
| * पेट में दाढ़ी होना | - छोटी आयु में बुद्धिमान होना। |
| * फूँक-फूँककर पाँव रखना | - अति सावधानी बरतना। |
| * मुट्ठी गर्म करना | - रिश्त देना। |
| * रंग में भंग होना | - प्रसन्नता के वातावरण में विघ्न पड़ना। |
| * शक्ति पर बारह बजना | - बड़ा उदास रहना। |
| * सितारा चमकना | - भाग्योदय होना |
| * आठ-आठ आँसू रोना | - बहुत अधिक रोना। |
| * आँखें चार होना | - प्रेम होना। |
| * अगर-मगर करना | - टाल-मटोल करना। |
| * अपना ही राग अलापना | - अपनी ही बातें करते रहना। |
| * आसमान पर थूकना | - अशोभनीय कार्य करना। |
| * उल्टी गंगा बहाना | - उल्टा काम करना। |

* उगल देना	- भेद बता देना ।
* ओखली में सिर देना	- जान-बूझकर जोखिम उठाना ।
* एक लाठी से हाँकना	- सबके साथ समान व्यवहार करना ।
* चार चाँद लगाना	- शोभा बढ़ाना ।
* पापड़ बेलना	- कड़ी मेहनत करना ।
* कान भरना	- चुगली करना ।
* कोल्हू का बैल	- लगातार काम में लगे रहने वाला । बहुत परिश्रम करने वाला ।
* कब्र में पैर लटकना	- मरने के समीप होना ।
* कागजी घोड़े दौड़ाना	- लिखा-पढ़ी करना ।
* कौड़ी-कौड़ी का मोहताज	- अत्यंत निर्धन होना ।
* खाला का घर	- आसान काम ।
* खाल मोटी होना	- बेशर्म होना ।
* गिरगिट की तरह रंग बदलना	- अवसरवादी होना ।
* घोड़े बेचकर सोना	- गहरी नींद सोना । निश्चित होकर सोना ।
* हाथ खींचना	- साथ न देना ।
* चोली-दामन का साथ होना	- घनिष्ठ संबंध होना ।
* चोर की दाढ़ी में तिनका	- अपराधी का भयभीत और सशंकित रहना ।
* जली-कटी सुनाना	- कटु-चुभती बातें करना ।
* डकार तक न लेना	- सब कुछ हजम कर लेना ।
* डूबती नाव पार लगाना	- कष्टों से छुटकारा देना ।
* तलवे चाटना	- खुशामद करना ।
* दाल न गलना	- काम न बनना । चतुराई काम न आना ।
* पेट काटना	- भूखा रहना ।
* पाँचों उँगलियाँ घी में होना	- चहुँ तरफ लाभ होना ।
* पोंगा होना	- नासमझ होना ।
* बात का धनी	- वचन का पक्का
* मरने की फुरसत न होना	- कामों में बहुत व्यस्त होना ।
* मुँछ उखाड़ना	- घमंड चूर-चूर कर देना ।
* रोटियाँ तोड़ना	- मुफ्त में खाना ।
* वीरगति को प्राप्त होना	- युद्ध में वीरतापूर्वक मृत्यु पाना ।
* स्वांग भरना	- विचित्र वेश बनाना, किसी की नकल उतारना ।
* हवा लगना	- असर पड़ना/होना ।
* हवाई किले बनाना	- बहुत अधिक कल्पना करना ।
* दाई से पेट छिपाना	- भेद जानने वाले से सच्ची बात छिपाना ।
* सिर खपाना	- कठोर परिश्रम करना ।
* खबर गरम होना	- चर्चा-ही-चर्चा होना ।
* चिराग तले अँधेरा	- गुणवान व्यक्ति में भी दोष होना ।